

# 红楼梦诗词

顾问 陈龙安(台湾)

主编 钟礼平

第一卷 对联

第二卷 偈语

第三卷 诗

第四卷 词

第五卷 曲

第六卷 赋

最新全译本



广西民族出版社

# 红楼梦诗词最新全译本

顾问 陈龙安（台湾）  
主编 钟礼平

广西民族出版社

(桂)新登字 02 号

## 红楼梦诗词最新全译本

钟礼平主编

☆

广西民族出版社出版

广西新华书店发行

广西南宁桂影印刷厂印刷

\*

开本 787×1092 1/32 8.125 印张 170 千字

1994 年 5 月第 1 版 1994 年 5 月第 1 次印刷

印数:1—10000 册

ISBN 7-5363-2786-2/I·728 定价:5.60 元

## 序 言

本书全译景同书

如果说《红楼梦》是中国艺术宝库里一顶金光灿灿的皇冠，

那末《红楼梦》诗词就是这顶皇冠上一颗熠熠生辉的明珠；

如果说《红楼梦》是世界艺术之林中一株姹紫嫣红的花树，

那末《红楼梦》诗词就是这株花树上一朵芬芳馥郁的奇葩。

是为序。

钟礼平 谨识

## 顾问简介：

**陈龙安**——国立台湾师范大学教育学博士，台北市立师范学院教授兼创造思考教育中心主任，国立空中大学兼任教授，中原大学兼任教授，中华创造学会秘书长，“创造思考宝库”丛书主审，“教育心理系列”丛书主编，“创意家族”丛书主编，“创造思考教学活动设计”丛书主编，“语文动脑筋”丛书主编，《助人关系》、《做个聪明人》、《数学动动脑》、《不花钱的智慧》等其他论著二十余部。

## 主编简介：

**钟礼平**——中国文学语言研究会会员，中国少数民族作家协会会员，中国修辞学会华东分会会员，全国中学生文学爱好者联谊会荣誉导师，全国性征文大赛最佳奖获得者。

# 目 录

## 第一卷 对 联

|                     |    |
|---------------------|----|
| 太虚幻境对联.....         | 3  |
| 贾雨村·诗联.....         | 4  |
| 联语.....             | 5  |
| 智通寺对联.....          | 6  |
| 荣禧堂对联.....          | 7  |
| 宁国府上房内间对联.....      | 8  |
| 秦可卿卧室对联.....        | 9  |
| 太虚幻境宫门对联 .....      | 10 |
| 薄命司对联 .....         | 11 |
| 太虚幻境内室对联 .....      | 11 |
| 秦可卿·诗联 .....        | 12 |
| 贾宝玉·沁芳亭对联 .....     | 13 |
| 贾宝玉·有风来仪对联 .....    | 14 |
| 贾宝玉·稻香村对联 .....     | 15 |
| 清客·兰风蕙露对联(二联) ..... | 17 |
| 贾宝玉·蘅芷清芬对联 .....    | 18 |

|                   |    |
|-------------------|----|
| 贾元春·顾恩思义对联 .....  | 19 |
| 藕香榭对联 .....       | 20 |
| 贾探春闺房中烟雨图对联 ..... | 21 |
| 贾氏宗祠大门对联 .....    | 22 |
| 贾氏宗祠抱厦前对联 .....   | 23 |
| 贾氏宗祠正殿前对联 .....   | 24 |
| 太虚幻境对联（三联） .....  | 25 |
| 真如福地 .....        | 25 |
| 福善祸淫 .....        | 26 |
| 引觉情痴 .....        | 26 |

## 8 ..... 第二卷 ..... 偈 语 ..... 海韵·林语贾

|               |    |
|---------------|----|
| 青埂峰顽石偈 .....  | 31 |
| 贾宝玉·参禅偈 ..... | 32 |
| 贾惜春·偈语 .....  | 34 |
| 扶乩文 .....     | 35 |
| 结红楼梦偈 .....   | 36 |

## 01 ..... 第三卷 ..... 诗 ..... 海韵·林语贾

|                                   |    |
|-----------------------------------|----|
| 11 ..... 第三卷 ..... 诗 ..... 海韵·林语贾 |    |
| 11 ..... 第三卷 ..... 诗 ..... 海韵·林语贾 |    |
| 题石头记 .....                        | 41 |
| 贾雨村·对月 .....                      | 42 |
| 贾雨村·咏月 .....                      | 44 |
| 好了歌 .....                         | 45 |
| 甄士隐·《好了歌》解 .....                  | 47 |
| 护官符 .....                         | 50 |

|                   |    |
|-------------------|----|
| 警幻仙姑歌 .....       | 52 |
| 金陵十二钗又副册判词 .....  | 53 |
| 晴雯 .....          | 53 |
| 袭人 .....          | 54 |
| 金陵十二钗副册判词 .....   | 56 |
| 香菱 .....          | 56 |
| 金陵十二钗正册判词 .....   | 57 |
| 林黛玉与薛宝钗 .....     | 57 |
| 贾元春 .....         | 58 |
| 贾探春 .....         | 60 |
| 史湘云 .....         | 61 |
| 妙玉 .....          | 62 |
| 贾迎春 .....         | 63 |
| 贾惜春 .....         | 64 |
| 王熙凤 .....         | 65 |
| 巧姐 .....          | 66 |
| 李纨 .....          | 67 |
| 秦可卿 .....         | 68 |
| 嘲顽石诗 .....        | 69 |
| 大观园题咏 .....       | 70 |
| 贾元春·题大观园 .....    | 70 |
| 贾迎春·题“旷性怡情” ..... | 71 |
| 贾探春·题“文采风流” ..... | 72 |
| 贾惜春·题“文章造化” ..... | 73 |
| 李纨·题“万象争辉” .....  | 74 |
| 薛宝钗·题“凝晖钟瑞” ..... | 74 |
| 林黛玉·题“世外仙源” ..... | 76 |

|                    |     |
|--------------------|-----|
| 林黛玉·代拟“杏帘在望” ..... | 77  |
| 贾宝玉·咏“有凤来仪” .....  | 78  |
| 贾宝玉·咏“蘅芷清芬” .....  | 79  |
| 贾宝玉·咏“怡红快绿” .....  | 80  |
| 林黛玉·书贾宝玉绡裙文后 ..... | 81  |
| 灯谜 .....           | 82  |
| 贾政·砚台 .....        | 82  |
| 贾元春·爆竹 .....       | 83  |
| 贾迎春·算盘 .....       | 83  |
| 贾探春·风筝 .....       | 84  |
| 林黛玉·更香 .....       | 85  |
| 贾宝玉·镜子 .....       | 86  |
| 薛宝钗·竹夫人 .....      | 87  |
| 贾宝玉·四时即事诗 .....    | 88  |
| 春夜即事 .....         | 88  |
| 夏夜即事 .....         | 89  |
| 秋夜即事 .....         | 91  |
| 冬夜即事 .....         | 92  |
| 茫茫大士叹宝玉 .....      | 93  |
| 七绝一首 .....         | 94  |
| 林黛玉·葬花辞 .....      | 95  |
| 林黛玉·题帕诗 .....      | 100 |
| 白海棠诗 .....         | 102 |
| 贾探春·咏白海棠 .....     | 103 |
| 薛宝钗·咏白海棠 .....     | 104 |
| 贾宝玉·咏白海棠 .....     | 105 |
| 林黛玉·咏白海棠 .....     | 106 |

|               |     |
|---------------|-----|
| 史湘云·白海棠和韵     | 107 |
| 菊花诗           | 109 |
| 蘅芜君·忆菊        | 110 |
| 怡红公子·访菊       | 110 |
| 怡红公子·种菊       | 112 |
| 枕霞旧友·对菊       | 113 |
| 枕霞旧友·供菊       | 114 |
| 潇湘妃子·咏菊       | 115 |
| 蘅芜君·画菊        | 116 |
| 潇湘妃子·问菊       | 117 |
| 蕉下客·簪菊        | 118 |
| 枕霞旧友·菊影       | 119 |
| 潇湘妃子·菊梦       | 120 |
| 蕉下客·残菊        | 121 |
| 咏蟹诗           | 122 |
| 贾宝玉·咏蟹        | 122 |
| 林黛玉·咏蟹        | 124 |
| 薛宝钗·咏蟹        | 125 |
| 林黛玉·代别离·秋窗风雨夕 | 126 |
| 香菱·吟月诗        | 128 |
| 芦雪庭即景联句       | 130 |
| 红梅诗           | 136 |
| 邢岫烟·赋得红梅花     | 137 |
| 李纹·赋得红梅花      | 138 |
| 薛宝琴·赋得红梅花     | 139 |
| 贾宝玉·访妙玉乞红梅    | 140 |
| 薛宝琴·怀古诗       | 141 |

|    |                     |     |
|----|---------------------|-----|
| 70 | 赤壁怀古·····           | 142 |
| 80 | 交趾怀古·····           | 143 |
| 01 | 钟山怀古·····           | 144 |
| 01 | 淮阴怀古·····           | 145 |
| 81 | 广陵怀古·····           | 146 |
| 81 | 桃叶渡怀古·····          | 147 |
| 11 | 青冢怀古·····           | 148 |
| 81 | 马嵬怀古·····           | 149 |
| 81 | 蒲东寺怀古·····          | 150 |
| 71 | 梅花观怀古·····          | 151 |
|    | 真真国女儿所作诗·····       | 152 |
|    | 林黛玉·五美吟·····        | 153 |
| 08 | 西施·····             | 154 |
| 18 | 虞姬·····             | 155 |
| 88 | 明妃·····             | 156 |
| 88 | 绿珠·····             | 157 |
| 18 | 红拂·····             | 157 |
|    | 林黛玉·桃花行·····        | 158 |
|    | 中秋夜大观园即景联句三十五韵····· | 162 |
|    | 姽婳词·····            | 168 |
| 08 | 贾兰·姽婳词·····         | 170 |
| 88 | 贾环·姽婳词·····         | 171 |
| 78 | 贾宝玉·姽婳词·····        | 172 |
|    | 贾宝玉·紫菱洲歌·····       | 176 |
|    | 赏海棠诗·····           | 177 |
| 08 | 贾宝玉·赏海棠·····        | 178 |
| 11 | 贾环·赏海棠·····         | 179 |

|         |     |
|---------|-----|
| 贾 兰·赏海棠 | 179 |
| 贾宝玉·离尘歌 | 180 |

## 第四卷 词

|              |     |
|--------------|-----|
| 西江月（二首）      | 185 |
| 柳絮词          | 188 |
| 史湘云·如梦令·柳絮   | 189 |
| 贾探春·南柯子·柳絮   | 190 |
| 贾宝玉·南柯子·柳絮   | 191 |
| 林黛玉·唐多令·柳絮   | 192 |
| 薛宝琴·西江月·柳絮   | 193 |
| 薛宝钗·临江仙·柳絮   | 194 |
| 贾宝玉·望江南·悼晴雯词 | 196 |

## 第五卷 曲

|         |     |
|---------|-----|
| 红楼梦十二支曲 | 201 |
| 红楼梦引子   | 201 |
| 终身误     | 203 |
| 枉凝眉     | 204 |
| 恨无常     | 205 |
| 分骨肉     | 206 |
| 乐中悲     | 208 |
| 世难容     | 210 |
| 喜冤家     | 212 |
| 虚花悟     | 213 |

|          |     |
|----------|-----|
| 聪明果      | 215 |
| 留余庆      | 217 |
| 晚韶华      | 218 |
| 好事终      | 220 |
| 收尾·飞鸟各投林 | 221 |
| 贾宝玉·寄生草  | 222 |

## 第六卷 赋

|               |     |
|---------------|-----|
| 警幻仙姑赋         | 227 |
| 薛宝钗·致林黛玉赋     | 231 |
| 林黛玉·琴曲——和薛宝钗赋 | 234 |
| 贾宝玉·芙蓉女儿诔     | 236 |

# 第一卷 对联



恢  
策  
一  
卷  
卿



## 太虚幻境对联

第一回：士隐接了看时，原来是一块鲜明美玉，上面字迹分明，镌着“通灵宝玉”四字，后面还有几行小字。正欲细看时，那僧便说已到幻境，便强从手中夺了去，与道人竞过一大石牌坊，上书四个大字，乃是“太虚幻境”。两边又有一副对联，道是：

【联语】

假作真时真亦假，无为有处有还无。

【注释】

【注释】“假作真时真亦假，无为有处有还无。”

《红楼梦》在艺术处理上，多处采用真真假假、以假隐真的手法。“太虚幻境”是作者运用浪漫主义的手法，虚构一个超现实的世界。但通过贾宝玉梦游太虚幻境的描写，把全书主要人物的命运作了隐约曲折的交代，这又将“幻境”与“现实”、“假”与“真”、“无”与“有”辩证地结合在一起。这副富有哲理的对联，涵义隽永，耐人寻味。

【译文】

【译文】

把“假”当作“真”之时，“真”也就成了“假”了；  
将“无”作为“有”的话，“有”也就变作“无”了。

【译文】

【译文】

## 贾雨村·诗联

第一回：雨村吟罢，因又思及平生抱负，苦未逢时，乃又搔首对天长叹，复高吟一联云：玉在匣中求善价，钗于奁内待时飞。

### 【注释】

贾雨村“高吟”的这一诗联，把自己待机出仕、孜孜以求青云直上的政治抱负和盘托出。

匣(dú)：同“椟”，木匣子。上联语出《论语·子罕》：“子贡曰：‘有美玉于斯，韞匣而藏诸？求善贾(价)而沽诸？’子曰：‘沽之哉！沽之哉！我待贾者也。’”意谓：子贡见孔子有道而不仕，于是设喻问道：“有一块美玉在这里，是装在匣子里藏着它呢，还是寻求好价钱卖掉它呢？”孔子说道：“卖了它啊，卖了它！我就是等待有好价钱的时候才出卖的人呐。”

奁(lián)：古时女子梳妆用的镜匣。下联语据魏晋小说《洞冥记》载：有个神女把金钗留在梳妆匣里，后来金钗竟化作燕子飞去。

### 【译文】

美玉装在盒子里等待着高价出卖，  
金钗留在匣子中到时候腾空飞去。